

२-१-२७

पत्राबली पेश हुई। पत्राबली में  
'पापालाप समग्र में' वादी व वादी के  
अधिकारता की आधार दिखवाई गई।  
परन्तु कोई उपस्थित नहीं होने के कारण  
वादी का बाद अदम पालना व अदम  
पेशी में वादिय किया जाता है। पत्राबली  
फैसल सुमार होकर दायित्व दफ्तरी

*[Handwritten signature]*